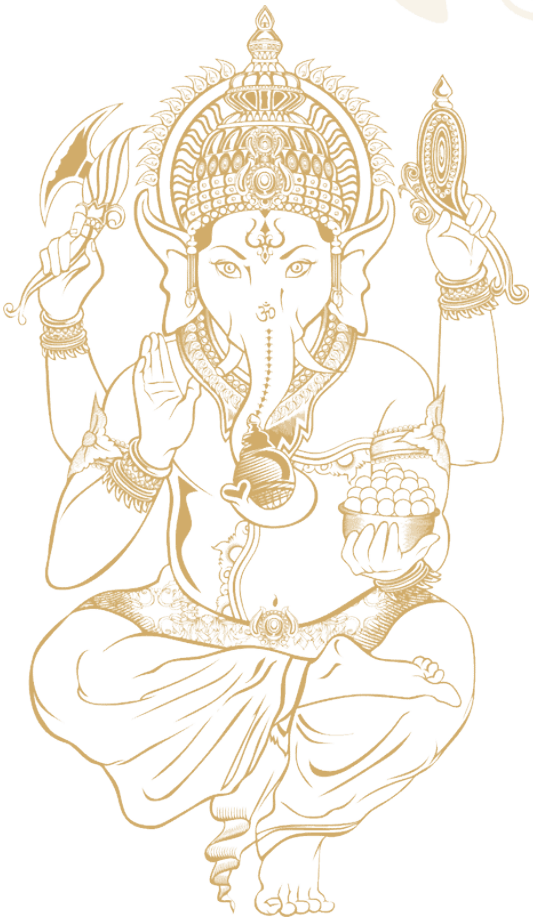

Neha jain

29 Apr 1996

02:00 AM

Gwalior

Model: Baby-Horoscope **Order No: 121279301**

तिथि 29/04/1996 **समय** 02:00:00 **वार** सोमवार **स्थान** Gwalior **चित्रपक्षीय अयनांश** : 23:48:24
अक्षांश 26:12:00 उत्तर **रेखांश** 78:09:00 पूर्व **मध्य रेखांश** 82:30:00 पूर्व **स्थानिक संस्कार** -00:17:24 घंटे

पंचांग

साम्पातिक काल	16:10:56 घं
वेलान्तर	00:02:41 घं
सूर्योदय	05:42:41 घं
सूर्यास्त	18:47:30 घं
चैत्रादि संवत	2053
शक संवत	1918
मास	वैशाख
पक्ष	शुक्ल
तिथि	11
नक्षत्र	पू०फाल्गुनी
योग	ध्रुव
करण	वणिज

अवकहड़ा चक्र

गण	मनुष्य
योनि	मूषक
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	टा-टपकेश्वरी
पाया(रा.-न.)	लौह-रजत
होरा	बुध
चौघड़िया	शुभ

विंशोत्तरी

शुक्र 12वर्ष 6मा 5दि

मंगल

03/11/2024
03/11/2031

मंगल	01/04/2025
राहु	19/04/2026
गुरु	26/03/2027
शनि	04/05/2028
बुध	01/05/2029
केतु	27/09/2029
शुक्र	27/11/2030
सूर्य	04/04/2031
चन्द्र	03/11/2031

योगिनी

उल्का 3वर्ष 9मा 1दि

भद्रिका

29/01/2025
29/01/2030

भद्रिका	10/10/2025
उल्का	10/08/2026
सिद्धा	31/07/2027
संकटा	09/09/2028
मंगला	30/10/2028
पिंगला	08/02/2029
धान्या	10/07/2029
भ्रामरी	29/01/2030

ग्रह	व	अ	अंश	राशि	नक्षत्र	पद	स्वामी	अं.	स्थिति	षट्बल	चर	स्थिर	ग्रह तारा
लग्न			29:43:41	मक	धनिष्ठा	2	मंगल	शनि	---	0:00			
सूर्य			15:00:50	मेष	भरणी	1	शुक्र	शुक्र	उच्च राशि	1.67	मातृ	पितृ	जन्म
चंद्र			18:19:25	सिंह	पू०फाल्गुनी	2	शुक्र	राहु	मित्र राशि	1.22	भ्रातृ	मातृ	जन्म
मंगल		अ	03:14:55	मेष	अश्विनी	1	केतु	सूर्य	मूलत्रिकोण	2.02	कलत्र	भ्रातृ	अतिमित्र
बुध			03:40:06	वृष	कृतिका	3	सूर्य	शनि	मित्र राशि	1.00	ज्ञाति	ज्ञाति	सम्पत
गुरु			23:47:46	धनु	पूर्वाषाढ़ा	4	शुक्र	शनि	स्वराशि	0.87	अमात्य	धन	जन्म
शुक्र			26:56:47	वृष	मृगशिरा	2	मंगल	गुरु	स्वराशि	1.63	आत्मा	कलत्र	क्षेम
शनि			08:39:44	मीन	उ०भाद्रपद	2	शनि	शुक्र	सम राशि	0.97	पुत्र	आयु	वध
राहु			23:12:54	कन्या	हस्त	4	चंद्र	सूर्य	मूलत्रिकोण		---	ज्ञान	विपत
केतु			23:12:54	मीन	रेवती	2	बुध	चंद्र	मूलत्रिकोण		---	मोक्ष	मित्र

लग्न-चलित

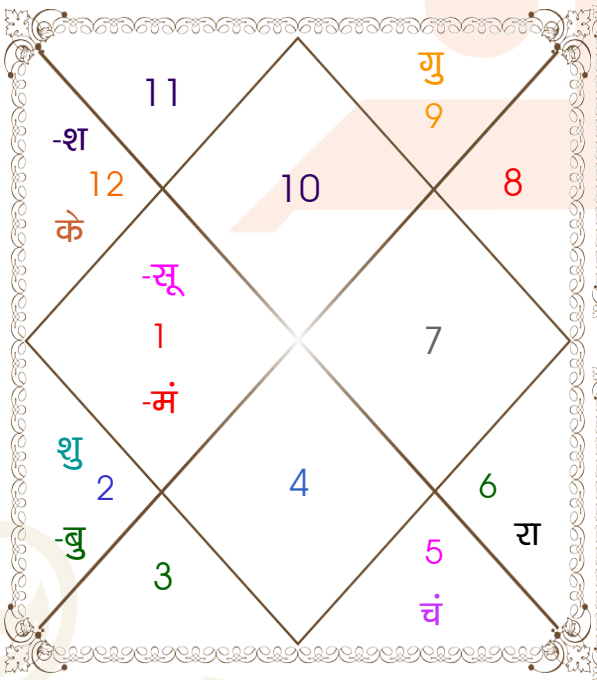

चन्द्र कुंडली

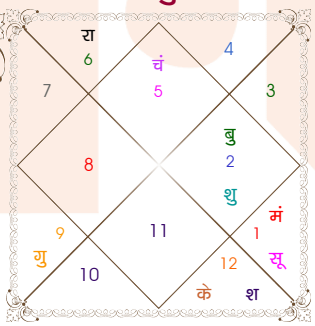

नवमांश कुंडली

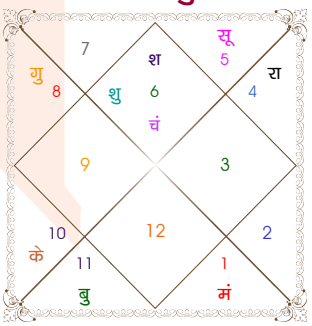

सर्वाष्टकवर्ग

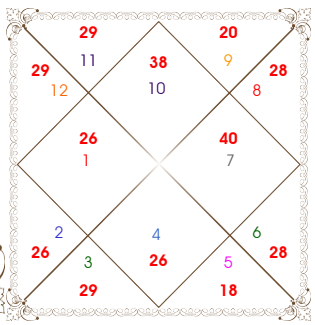

दशमांश कुंडली

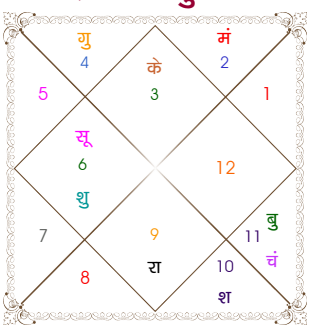

Pulak Sagarm
T-13, Cosmo Tower
Hanuman Chauraha, jank ganj
Gwalior - Pin - 474001
9425187186, 9302614644
Astrodr.hcjain@gmail.com

नक्षत्रफल

आप पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के द्वितीय चरण में पैदा हुई हैं। अतः आपकी जन्म राशि सिंह तथा राशि स्वामी सूर्य होगा। नक्षत्रानुसार आपकी नाड़ी मध्य, वर्ग श्वान, गण मनुष्य, वर्ण क्षत्रिय तथा योनि मूषक होगी। नक्षत्र के चरणानुसार आपके जन्म नाम का प्रारम्भ "ट" या "टा" अक्षर से होगा।

आप अपने जीवन में विद्यार्जन करने में सफल रहेंगी। आप स्वभाव से गम्भीर होंगी तथा गम्भीरतापूर्वक ही आपके जीवन के समस्त कार्यकलाप पूर्ण होंगे। पति के प्रति आपके मन में स्नेह का भाव रहेगा तथा उनकी प्रिय एवं सम्माननीय होंगी। आप अपने जीवन काल में समस्त सुख ऐश्वर्य एवं वैभव से भी युक्त रहेंगी। श्रेष्ठ विद्वान जन भी आपको सम्माननीय तथा पूजनीय समझेंगे।

विद्या गोधन संयुक्तो गम्भीरः प्रमदाप्रियः।
पूर्वाफाल्गुनिकां जातः सुखी पंडित पूजितः।।
मानसागरी

अर्थात् पूर्वाफाल्गुनी नक्षत्र में उत्पन्न जातक विद्या, गौ एवं धन से सम्पन्न, गम्भीर प्रकृति वाला, स्त्रियों का प्रिय, सुखी तथा विद्वानों द्वारा पूजनीय होता है।

आप अत्यन्त ही प्रिय एवं मृदुवाणी का अपने भाषण में प्रयोग करेंगी फलतः सभी लोग आपसे प्रभावित रहेंगे। आपका व्यवहार अत्यन्त ही विनयशील रहेगा जिससे लोग आपकी प्रशंसा करेंगे। साथ ही दान देने की प्रवृति भी आपके अर्न्तमन में विद्यमान रहेगी तथा समय समय पर इस प्रवृति का पालन करेंगी। आपका शरीर भी सुन्दर एवं कान्तिमय रहेगा। साथ ही आप यात्राएं तथा भ्रमण की भी रूचिशील रहेंगी तथा अधिकांश समय इसी पर व्यतीत करेंगी। इसके अतिरिक्त आप राज्यसेवा में भी तत्पर रहेंगी।

प्रियवाग्दाता द्युतिमानटनो नृपसेवको भाग्ये।
बृहज्जातकम्

अर्थात पूर्वाफाल्गुनी में उत्पन्न जातक प्रिय वक्ता, व्यवहारज्ञ, दानप्रिय, कान्तियुक्त शरीर वाला, यात्रा प्रिय तथा राज्य में राजसेवक होता है।

चंचलता के भाव की बहुलता नैसर्गिक रूप से आप में विद्यमान रहेगी। आपकी प्रवृति यदा कदा दुष्कार्यों को करने की ओर भी प्रवृत रहेगी। साथ ही त्याग की भावना से भी आप युक्त रहेंगी तथा अवसरानुकूल समाज में अपनी इस प्रवृति का प्रदर्शन करेंगी। आपका जो भी संकल्प होगा वह दृढ़ होगा तथा दृढ़ता के साथ ही आप उसे पूरा करेंगी।

फल्गुन्यां चपलः कुकर्मस्त्यागी दृढ़ कामुको।
जातकपरिजातः

अर्थात् पूर्वा फाल्गुनी में उत्पन्न जातक चंचल, कुकर्म करने वाला, त्यागी, दृढ़ तथा कामवासना प्रधान व्यक्ति होता है।

आप स्वभाव से ही साहसी तथा निर्भय होंगी तथा वीरता के भावों से परिपूर्ण रहेंगी। आप बहुत से अन्य लोगों का पालन पोषण करने वाली होंगी तथा उन्हे पूर्ण सुख प्रदान करेंगी। आपकी आखें भी देखने में छोटी होंगी तथा आपके समस्त कार्य दक्षता से सम्पन्न होंगे। एतादिरिक्त आप अभिमानी भी होंगी तथा यदा कदा इसका भी प्रदर्शन करेंगी।

शूरस्त्यागी साहसी भूरिभर्ता कामार्तोऽपिस्याच्छिरालोऽतिदक्षः।
धूर्तः क्रूरोऽत्यन्त सञ्जातगर्वः पूर्वाफाल्गुनयास्ति चेज्जन्मकाले।।
जातकाभरणम्

अर्थात् पूर्वाफाल्गुनी में उत्पन्न जातक शूरवीर, दानी, बहुतों का पोषक, चतुर, धूर्त, कामातुर, कठोर हृदय और अतिघमण्डी होता है।

आप जन्म के समय लौहपाद में उत्पन्न हुई हैं। यद्यपि लौहपाद में उत्पन्न जातक सामान्य रूप से रोगी, दुःखी, धनाभाव से व्याकुल, सुखसंसाधनों से हीन तथा अन्य प्रकार के कष्टों से युक्त रहता हैं। परन्तु आपकी जन्म कुण्डली में चन्द्रमा की स्थिति अत्यन्त ही शुभ राशि में है। अतः आपको अशुभ फलों की अपेक्षा शुभ फलों की ही प्राप्ति अधिक मात्रा में होगी आप एक तेजस्वी तथा बुद्धिमती महिला होंगी तथा धन सम्पत्ति से सर्वदा सुसम्पन्न रहेंगी। आपकी आयु पूर्ण आयु रहेगी तथा जीवन में समस्त सुखसंसाधनों को अर्जित करने में आप यत्न पूर्वक सफल रहेंगी। साथ ही आनन्द पूर्वक इसका उपभोग करेंगी। लेकिन स्वास्थ्य से आप मध्यम रहेंगी एवं समय समय पर श्वास कफादि रोगों से व्याकुलता की अनुभूति करेंगी। कुल मिलाकर आपका सामान्य जीवन प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत होगा।

सिंह राशि में उत्पन्न होने के कारण आप तीव्र तथा उग्र स्वभाव से युक्त रहेंगी। आपका हनुभाग स्थूल तथा मुख मंडल विशाल होगा। साथ ही आखें भी पीतवर्ण से युक्त होकर छोटी छोटी होंगी। जंगलों तथा पहाड़ों में घूमना आपको बहुत ही रूचिकर लगेगा। आप कभी कभी बिना किसी कारण के शीघ्र ही उत्तेजित हो जाने वाली होंगी तथा आपकी इच्छाएं बहुत अधिक होगी जो प्रायः अपूर्ण ही रहेंगी इससे आपको हमेशा कष्टानुभूति होती रहेगी। आप दानशील होंगी तथा जरूरतमन्द लोगों को समय समय पर दान दिया करेंगी आपका स्वभाव अभिमानी भी रहेगा। माता की आप प्रिय होंगी तथा संतति में पुत्रों की संख्या कम ही रहेगी। आपकी बुद्धि चंचल न होकर स्थिर होगी तथा सभी कार्यों को बुद्धिमानी से पूर्ण करेंगी।

तीक्ष्णः स्थूलहनुर्विशालवदनः पिङ्गेक्षणोऽल्पात्मजः।
स्त्रीद्वेषी प्रियमासकाननगः कुप्यत्यकार्ये चिरम्।।
क्षुतृष्णोदरदन्तमानसरुजा सम्पीडितस्त्यागवान।
विक्रान्तः स्थिरधीः सुगर्वितमनामातुर्विधेयो योऽर्कभे।।
बृहज्जातकम्

Pulak Sagarm
T-13, Cosmo Tower
Hanuman Chauraha, jank ganj
Gwalior - Pin - 474001
9425187186, 9302614644
Astrodr.hcjain@gmail.com

आपकी शरीर की हडिड्यां मजबूत होंगी तथा स्वभाव में उग्रता की बहुलता रहेगी। किसी भी कार्य को आरम्भ करने से पहले आप कंठ से ध्वनि निकालेंगी। आपका वक्ष सुन्दर तथा आकर्षक रहेगा। आप अपने पराक्रम से समाज में पूर्ण प्रभुत्व स्थापित करने में सफलता प्राप्त करेंगी। साथ ही आप हमेशा सजग तथा सावधान रहेंगी एवं किसी भी कार्य को प्रारम्भ करने से पहले आप गम्भीरता पूर्वक चारों तरफ की स्थितियों का निरीक्षण करेंगी तथा सन्तुष्ट होने पर ही कार्य को प्रारम्भ करेंगी।

स्थूलास्थिर्मन्दरोमा पृथुवदनगलो ह्रस्वपिङ्गाक्षियुग्मः।
स्त्रीद्वेषी क्षुत्पिपासा जठररुदरजपीडितो मांसभक्षः।।
दाताती क्ष्णोळल्पपुत्रो विपिननगरतिमातृवश्य सुवक्षा।
विक्रान्तः कार्यालापी शशभृतिरविभे सर्वगम्भीर दृष्टिः।।
सारावली

आप उदर पोषण योग्य जीविकार्जन से परम संतुष्टि प्राप्त करने वाली होंगी। गहन गुफाओं के प्रति आपके मन में उत्सुकता तथा रूचि रहेगी। साथ ही आप सेवक तथा बन्धुवर्ग से युक्त रहेंगी। आपका वक्षभाग भी अत्यन्त विस्तृत होगा।

पिङ्गेक्षणः स्थूलहनुर्विशालवक्त्रोळभिमानी सपराक्रमः।
कुप्यत्कार्ये वनशैलगामी मातुर्विधेयः स्थिरधीः मृगेन्द्रेण।।
फलदीपिका

क्षमाशीलता का गुण स्वभाव से ही आप में विद्यमान रहेगा तथा दण्ड देने की अपेक्षा आप क्षमा करना उचित समझेंगी। आप हमेशा अपने किसी न किसी कार्य को करने में तत्पर रहेंगी खाली या बिना किसी काम के बैठना आपको उचित नहीं लगेगा।

उदरभरणतुष्टः क्रोधनो मांसलुब्धो।
गहनगुरुगुहानां सेवको बंधुहीनः।।
कपिलनयन भग्नस्तुङ्गवक्षाः क्षुधार्तो।
विपुल सुरतसेवी सिंह राशि भे मनुष्यः।।
जातकदीपिका

मांस तथा मदिरा का प्रयोग भी आप अवसरानुकूल करती रहेंगी तथा हमेशा दूर समीप की यात्राओं में भी व्यस्त रहेंगी तथा भ्रमण में अपना अधिकांश समय व्यतीत करेंगी। शीत से आपको अत्यधिक डर तथा घबराहट की अनुभूति होगी। आपके समस्त मित्र गुणवान होंगे तथा अन्य जनों के प्रति आपका व्यवहार विनम्रतापूर्ण रहेगा। आप शीघ्र ही क्रोध से उत्तेजित होने वाली होंगी तथा माता पिता का आपके प्रति विशेष प्यार तथा स्नेह का भाव रहेगा। आप कई व्यसनों से भी युक्त होंगी फिर भी समाज में आप प्रसिद्ध तथा यश से पूर्ण रहेंगी।

अचल काननयानमनोरथं गृहकलित्रच गलोदरपीडनम्।
द्विजपतिमृर्गराजगतो नृणांवितनुते तनुतेजविहीनताम्।।

जातकाभरणम्

आपकी आखें तथा शारीरिक संरचना अत्यन्त ही सुन्दर, आकर्षक तथा मनोहर होगी जिसे देखकर सभी आपसे प्रभावित होंगे। आपकी दृष्टि या अवलोकन शक्ति भी गम्भीरता से युक्त रहेगी तथा किसी भी स्थिति का गम्भीरता पूर्वक अवलोकन करने के पश्चात उसे किसी कार्य के लिए उचित या अनुचित का निर्णय करेंगी। साथ ही आप समस्त सुख तथा ऐश्वर्य का उपभोग करके आनन्द पूर्वक जीवन को व्यतीत करेंगी।

सिंहस्थे पृथुलोचनः सुबदनो गम्भीरदृष्टिः सुखी।।
जातक परिजातः

मनुष्य गण में जन्म लेने के कारण आप प्रारम्भ से ही धार्मिक प्रवृति की महिला होंगी तथा सम्पूर्ण धार्मिक कृत्यों का पालन करेंगी एवं देवता तथा ब्राहमणों में अपनी गहन श्रद्धा भी प्रदर्शित करेंगी। कभी कभी आप छोटी छोटी बातों पर भी गर्व के भाव का प्रदर्शन करेंगी। आपके मन में दया का भाव विद्यमान रहेगा तथा आप कई प्रकार की कलाओं में भी चतुर होंगी। आप ज्ञानार्जन में सफल रहेंगी तथा शरीर की कान्ति भी दर्शनीय होगी। इसके अतिरिक्त आप बहुत से लोगों को भी सुख प्रदान करने वाली होंगी।

आप समाज में एक सम्माननीय महिला होंगी तथा धनैश्वर्य से हमेशा सुसम्पन्न रहेंगी साथ ही आप निशानेबाजी में विशेष योग्यता भी प्राप्त करेंगी। आपका गौरवर्ण होगा तथा नगर वासियों को वश में करने में आप पूर्ण सफल रहेंगी। साथ ही आप की आखें भी बड़ी होंगी।

देवद्विजार्चाभिरतोभिमानी दयालुर्बलवान कलाज्ञः।
प्राज्ञः सुकान्ति सुखदो बहूनां मर्त्याभवे मर्त्यगणे प्रसूतः।।
जातकाभरणम्

अर्थात् मनुष्य गण में उत्पन्न जातक ब्राह्मण तथा देवताओं का भक्त, अभिमानी, दयालु, बलवान, कला का ज्ञाता, विद्वान, कान्तियुक्त तथा बहुत से मनुष्यों को सुख तथा आश्रय प्रदान करने वाला होता है।

मूषक योनि में पैदा होने के कारण आप तीव्र बुद्धि से युक्त रहेंगी साथ ही सर्व प्रकार के धन धान्य तथा वैभव ऐश्वर्य से भी सुसम्पन्न रहेंगी। अपने कार्य को करने में आप हमेशा तत्पर रहेंगी तथा आलस्य को कभी भी पास नहीं आने देंगी साथ ही आप अभिमानी प्रवृति की भी उपेक्षा करेंगी परन्तु आप अन्य जनों पर विश्वास कम ही करेंगी तथा जो भी कार्य करवाना हो उसे अपने ही सम्मुख पूर्ण करवाएंगी।

बुद्धिमान् वित्तसम्पूर्णः स्वकार्यकरणोद्यतः।
अप्रमतोऽप्यविश्वासी नरो मूषक योनिजः।।
मानसागरी

अर्थात मूषक योनि का जातक बुद्धिमान, धनवान, स्वकार्य में तत्पर, गर्वहीन तथा किसी पर भी विश्वास न करने वाला होता है।

आपके जन्म काल में चन्द्रमा की स्थिति अष्टम भाव में स्थित है। अतः आपकी माता का स्वास्थ्य सामान्य रूप से अच्छा रहेगा फिर भी यदा कदा शारीरिक रूप से परेशानी उत्पन्न होती रहेगी। आपके प्रति उनके मन में स्नेह का भाव रहेगा एवं धन सम्पत्ति का भी उनके पास अभाव नहीं रहेगा। साथ ही जीवन में आपको सर्वप्रकार से वे आर्थिक तथा अन्य रूप से पूर्ण सहायता तथा सहयोग प्रदान करती रहेंगी। साथ ही उनके द्वारा आपको विशेष धन की प्राप्ति भी हो सकती है।

आप का भी उनके प्रति पूर्ण श्रद्धा भाव रहेगा एवं उनका कहना मानने के लिए नित्य तत्पर रहेंगी। उनकी सेवा करना तथा वांछित सहयोग प्रदान करना आप अपना नैतिक कर्तव्य समझेंगी। आप के मध्य कभी कभी सैद्धान्तिक मतभेद भी उत्पन्न होंगे जिससे आपसी संबंधों में तनाव उत्पन्न होगा फिर भी आपसी संबंध सामान्य ही समझें जाएंगे।

आपके जन्मकाल में सूर्य की स्थिति चतुर्थ भाव में है अतः आपके पिता का स्वास्थ्य सामान्य रहेगा एवं समय समय पर वे शारीरिक व्याकुलता की अनुभूति करेंगे। आपके प्रति उनके मन में स्नेह का भाव विद्यमान रहेगा। धन वैभव से वे प्रायः युक्त रहेंगे एवं जीवन में सर्वप्रकार से आपको सहयोग प्रदान करने के लिए यत्नशील रहेंगे। आप उनसे समान्यतया धन सम्मान एवं वाहनादि भी प्राप्त करेंगी। इसके साथ ही वे व्यापार तथा अजीविका सम्बन्धी कार्यों में भी आपकी सहायता करेंगे।

आपके मन में उनके प्रति सामान्य श्रद्धा का भाव विद्यमान रहेगा एवं इच्छानुसार यदाकदा उनकी आज्ञा का अनुपालन भी करती रहेंगी। परन्तु आपके आपसी सम्बन्ध मधुर नहीं रहेंगे एवं परस्पर कई प्रकार के मतभेद विद्यमान रहेंगे फिर भी आप अपनी ओर से उन्हें कम से कम कष्टानुभूति के लिये सतत् प्रयत्नशील रहेंगी एवं अवसरानुकूल उनकी सहायता करने के लिए भी तत्पर रहेंगी।

आपकी जन्म कुण्डली में मंगल की स्थिति चौथे भाव में है अतः आपके भाई बहिनों का स्वास्थ्य मध्यम रहेगा एवं यदा कदा वे शारीरिक रूप से अस्वस्थ रहेंगे। आपके प्रति उनके मन में स्नेह एवं सम्मान का भाव रहेगा तथा सुख दुःख में आपको हमेशा उनसे वांछित आर्थिक तथा अन्य प्रकार का सहयोग प्राप्त होता रहेगा। साथ ही व्यापार एवं आजीविका संबंधी कार्यों में भी वे आपकी पूर्ण सहायता करेंगे।

आप भी उनको मन से सम्मान एवं स्नेह प्रदान करेंगी तथा सुख दुःख में सर्वदा उनके साथ रहेंगी एवं यथाशक्ति उनको वांछित आर्थिक तथा अन्य प्रकार की सहायता भी प्रदान करती रहेंगी। आपके आपसी संबंध मधुर रहेंगे परन्तु यदा कदा सैद्धान्तिक मतभेदों के कारण संबंधों में कटुता या तनाव आएगा परन्तु कुछ समय के बाद स्थिति सामान्य हो जाएगी। साथ ही आप एक दूसरे से सहमत भी रहेंगे एवं विश्वास पूर्वक जीवन में परस्पर सहयोग का भाव रखेंगे।

आपके लिए ज्येष्ठ मास, तृतीया, अष्टमी तथा त्रयोदशी तिथियां, मूल नक्षत्र, धृतियोग, बवकरण, शनिवार, प्रथम प्रहर तथा वृश्चिक राशिस्थ चन्द्रमा अशुभ रहेंगे। अतः आप 15 मई से 14 जून के मध्य 3,8,13 तिथियों में, मूल नक्षत्र, धृतियोग तथा बवकरण में कोई भी शुभ कार्य व्यापार प्रारम्भ, नवगृहनिर्माण, क्रयविक्रयादि कार्य सम्पन्न न करें अन्यथा लाभ की अपेक्षा हानि ही होगी। साथ ही शनिवार, प्रथम प्रहर तथा वृश्चिक राशि के चन्द्रमा को भी शुभ कार्यों में वर्जित रखें। इन दिनों तथा समय में शारीरिक स्वास्थ्य तथा सुरक्षा का भी पूर्ण रूप से ध्यान रखें।

यदि आपके लिए समय अशुभ चल रहा हो मानसिक तथा शरीरिक व्याकुलता, व्यापार में हानि, नौकरी या पदोन्नति में व्यवधान अथवा अन्य कार्यों में सफलता नहीं मिल रही हो तो ऐसे समय में आपको अपने इष्ट सूर्य देव की उपासना करनी चाहिए तथा अर्ध्य भी प्रदान करना चाहिए साथ ही रविवार का भी उपवास रखना चाहिए। इसके साथ ही सोना, माणिक्य, रक्त वस्त्र, रक्त पुष्प, गेहूं, गुड़ इत्यादि पदार्थो का भी श्रद्धापूर्वक दान करना चाहिए। इसके अतिरिक्त सूर्य के तांत्रीय मंत्र के कम से कम 7000 जप किसी योग्य विद्वान से सम्पन्न करवाने चाहिए। इससे आपको मानसिक शान्ति प्राप्त होगी तथा अशुभ प्रभाव समाप्त होकर शुभ फलों में वृद्धि होगी।

ऊँ ह्रां ह्रीं ह्रौं सः सूर्याय नमः।
मंत्र- ऊँ ऐं ह्रीं ह्रीं सूर्याय नमः।

Pulak Sagarm
T-13, Cosmo Tower
Hanuman Chauraha, jank ganj
Gwalior - Pin - 474001
9425187186, 9302614644
Astrodr.hcjain@gmail.com